05/11/2026 अखिल भारतीय

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक : **05** नवम्बर **2026**

एनएसई कोड : **LICI**

बीएसई कोड : **543526**

प्रदर्शन की प्रमुख उपलब्धियां : 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही (प्रथम छमाही, वित्त वर्ष 2026-27)

- **कर पश्चात लाभ** (**PAT**) में **21.52%** की वृद्धि होकर **₹25,568** करोड़ हो गया।
- **नव व्यवसाय का मूल्य** (**VNB**) **33.95%** बढ़कर **₹6,846** करोड़ हो गया।
- **वीएनबी मार्जिन (शुद्ध)** में **470** आधार अंकों (बीपीएस) की वृद्धि होकर **22.3%** हो गया।
- **कुल प्रीमियम आय 11.64%** बढ़कर **₹2,74,269** करोड़ हो गई।
- **व्यक्तिगत नव व्यवसाय प्रीमियम आय 14.86%** बढ़कर **₹32,725** करोड़ हो गई।
- **समूह नव व्यवसाय प्रीमियम आय 20.63%** बढ़कर **₹1,11,685** करोड़ हो गई।
- **कुल वार्षिकीकृत प्रीमियम समतुल्य** (**APE**) **5.72%** की वृद्धि के साथ **₹30,696** करोड़ रहा।
- **व्यक्तिगत व्यवसाय संरक्षण संबंधी एपीई** (**Protection APE**) **58.59%** बढ़कर **₹157** करोड़ हो गया।
- **व्यक्तिगत व्यवसाय के अंतर्गत नॉन-पार एपीई** की हिस्सेदारी **34.03%** रही।
- **वित्त वर्ष 2026-27** की **प्रथम छमाही** के लिए कुल व्यय अनुपात **10.41%** रहा।
- **प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां** (**AUM**) **4.16%** बढ़कर **₹59,60,941** करोड़ हो गईं।
- **सॉल्वेंसी अनुपात 2.13** से बढ़कर **2.35** हो गया।

मुंबई, 05 नवंबर, 2026 : भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निदेशक मंडल ने 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के लिए स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों को अनुमोदित एवं स्वीकृत कर लिया है। निगम के स्टैंडअलोन प्रदर्शन की प्रमुख उपलब्धियां निम्नलिखित हैं।

30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान निगम का **कर पश्चात लाभ (PAT) ₹25,568** करोड़ रहा, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **₹21,040 करोड़** था। इस प्रकार इसमें **21.52%** की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रथम वर्ष प्रीमियम आय (FYPI) (आईआरडीएआई के अनुसार) के आधार पर बाजार हिस्सेदारी की दृष्टि से एलआईसी भारतीय जीवन बीमा उद्योग में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है तथा 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान इसकी कुल बाजार हिस्सेदारी **58.77%** रही, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **59.41%** थी। 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान व्यक्तिगत व्यवसाय में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी **37.51%** तथा समूह व्यवसाय में **70.45%** रही।

30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान कुल प्रीमियम आय **₹2,74,269 करोड़** रही, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **₹2,45,680 करोड़** थी जो कि **11.64%** की वृद्धि दर्शाती है।

30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान व्यक्तिगत नव व्यवसाय प्रीमियम आय **14.86%** की वृद्धि दर्ज करते हुए **₹32,725 करोड़** रही, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **₹28,491 करोड़** थी। 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान व्यक्तिगत नवीनीकरण प्रीमियम आय **₹1,27,950** करोड़ रही, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **₹1,22,224 करोड़** थी। इस प्रकार इसमें **4.68%** की वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान व्यक्तिगत व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय **6.61%** की वृद्धि दर्ज करते हुए बढ़कर **₹1,60,675 करोड़** हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह **₹1,50,715 करोड़** थी। 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय **₹1,13,594 करोड़**

रही, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **₹94,965 करोड़** थी। इस प्रकार इसमें **19.62%** की वृद्धि दर्ज की गई।

वार्षिकीकृत प्रीमियम समतुल्य (Annualized Premium Equivalent-APE) के आधार पर **30 सितंबर, 2026** को समाप्त छमाही के दौरान कुल प्रीमियम **₹30,696 करोड़** रहा। इसमें से **56.11% (₹17,224 करोड़) व्यक्तिगत व्यवसाय** तथा **43.89% (₹13,472 करोड़) समूह व्यवसाय** से प्राप्त हुआ। व्यक्तिगत व्यवसाय में एपीई के आधार पर पार (Par) उत्पादों की हिस्सेदारी **65.98% (₹11,364 करोड़)** रही, जबकि शेष **34.03% (₹5,861 करोड़)** का योगदान नॉन-पार (Non-Par) उत्पादों का रहा। 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान व्यक्तिगत नॉन-पार एपीई **₹5,861 करोड़** रहा, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **₹6,234 करोड़** था। इस प्रकार इसमें **5.98%** की कमी दर्ज की गई। परिणामस्वरूप, एपीई के आधार पर व्यक्तिगत व्यवसाय में नॉन-पार उत्पादों की हिस्सेदारी, जो 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में **36.31%** थी, घटकर 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही में **34.03%** रह गई।

30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान व्यक्तिगत व्यवसाय में **कुल 70,97,094 पॉलिसियों** का विक्रय किया गया, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में **72,60,573 पॉलिसियों** का विक्रय किया गया था। इस प्रकार पॉलिसियों की संख्या में **2.25%** की कमी दर्ज की गई।

30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान नव व्यवसाय का मूल्य (Value of New Business-VNB) **₹6,846 करोड़** रहा, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **₹5,111 करोड़** था। इस प्रकार इसमें **33.95%** की वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान शुद्ध वीएनबी मार्जिन में 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही के **17.6%** की तुलना में 470 आधार अंकों की वृद्धि के साथ यह **22.3%** हो गया।

30 सितंबर, 2026 की स्थिति के अनुसार भारतीय अंतर्निहित मूल्य (Indian Embedded Value-IEV) **₹7,97,378 करोड़** निर्धारित किया गया है, जबकि 30 सितंबर, 2025 को यह **₹8,13,230 करोड़** था। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में इसमें **1.95%** की कमी दर्ज की गई।

30 सितंबर, 2026 की स्थिति के अनुसार सॉल्वेंसी अनुपात बढ़कर **2.35** हो गया, जबकि 30 सितंबर, 2025 को यह **2.13** था।

30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान प्रीमियम के आधार पर **13वें माह** एवं **61वें माह** का स्थायित्व अनुपात (पर्सिस्टेंसी) क्रमशः **74.69%** तथा **61.03%** रहा। इसके अनुरूप 30 सितंबर, 2025 को समाप्त अवधि में ये अनुपात क्रमशः **75.29%** तथा **63.81%** थे।

इसी प्रकार, 30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान पॉलिसियों की संख्या के आधार पर **13वें माह** एवं **61वें माह** का स्थायित्व अनुपात (पर्सिस्टेंसी) क्रमशः **67.58%** तथा **48.33%** रहा, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त अवधि में ये क्रमशः **63.36%** तथा **51.50%** थे।

30 सितंबर, 2026 की स्थिति के अनुसार प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (Assets Under Management-AUM) बढ़कर **₹59,60,941** करोड़ हो गईं, जबकि 30 सितंबर, 2025 को यह **₹57,22,896 करोड़** थीं। इस प्रकार वर्ष-दर-वर्ष आधार पर **4.16%** की वृद्धि दर्ज की गई।

30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान कुल व्यय अनुपात **10.41%** रहा, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **11.28%** था। इस प्रकार इसमें 87 आधार अंकों की कमी दर्ज की गई।

30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही के दौरान पॉलिसीधारकों की निधि पर निवेश प्रतिफल (अवास्तविक लाभों को छोड़कर) **8.67%** रहा, जबकि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही में यह **8.90%** था।

एलआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. दुरैस्वामि ने कहा :

"हम सितंबर 2026 के दौरान भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) द्वारा बीमा उद्योग के लिए घोषित प्रस्तावित कमीशन विनियमों में किए गए परिवर्तनों के सकारात्मक प्रभावों को लेकर अत्यंत आशान्वित हैं। हमारा मानना है कि इनमें से अधिकांश परिवर्तन ग्राहकों के हित में हैं और भारत में जीवन बीमा उद्योग की विकास गति को और तेज करने में सहायक होंगे।"

व्यावसायिक दृष्टिकोण से, चालू वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष 2026-27) की प्रथम छमाही के दौरान एलआईसी ने एक बार फिर उत्पादों एवं वितरण माध्यमों के विविधीकरण से संबंधित अपनी रणनीति के सफल क्रियान्वयन को प्रदर्शित किया है, जिसे हम शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद से अपनाते आ रहे हैं। वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम छमाही के लिए व्यक्तिगत व्यवसाय के नॉन-पार एपीई की हिस्सेदारी 34.03% रही है, जो व्यक्तिगत एपीई का एक-तिहाई हिस्सा नॉन-पार उत्पादों से बनाए रखने की हमारी वर्तमान रणनीति के अनुरूप है। वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम छमाही के लिए व्यक्तिगत नव व्यवसाय प्रीमियम (NBP) में बैंकएश्योरेंस एवं वैकल्पिक माध्यमों की हिस्सेदारी 21.44% की वृद्धि दर्ज करते हुए अब 7.53% हो गई है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 7.12% थी। वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम छमाही में नव व्यवसाय के मूल्य (VNB) में 33.95% की वृद्धि होकर यह ₹6,846 करोड़ हो गया है। इसके साथ ही, हमारे वीएनबी मार्जिन में भी 470 आधार अंकों की वृद्धि हुई है और यह 22.3% हो गया है। उत्पादों एवं वितरण माध्यमों के मिश्रण में विविधीकरण के माध्यम से अपनी समग्र लाभप्रदता बढ़ाने के साथ-साथ, हम पूरे व्यवसाय में लागत को अनुकूलतम स्तर पर लाने की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। हम अपने सभी हितधारकों के निरंतर सहयोग के लिए उनके आभारी हैं।"

प्रमुख परिचालन एवं वित्तीय संकेतक:

Sr. No.	Particulars	30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही (₹ करोड़ में)	30 सितंबर, 2026 को समाप्त छमाही (₹ करोड़ में)	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (%
1	कर पश्चात लाभ (PAT)	21,040	25,568	21.52%
2	नव व्यवसाय प्रीमियम आय (व्यक्तिगत)	28,491	32,725	14.86%
3	नवीनीकरण प्रीमियम (व्यक्तिगत)	1,22,224	1,27,950	4.68%
4	कुल प्रीमियम (व्यक्तिगत)	1,50,715	1,60,675	6.61%
5	समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय	94,965	1,13,594	19.62%
6	कुल प्रीमियम आय	2,45,680	2,74,269	11.64%
7	बेची गई पॉलिसियों की संख्या (व्यक्तिगत व्यवसाय)	72,60,573	70,97,094	(2.25%)
8	भारतीय अंतर्निहित मूल्य (IEV)	8,13,230	7,97,378	(1.95%)
9	नव व्यवसाय का मूल्य (शुद्ध) (VNB)	5,111	6,846	33.95%
10	वीएनबी मार्जिन (शुद्ध)	17.6%	22.3%	470 आधार अंकों की वृद्धि
11	कुल व्यय अनुपात	11.28%	10.41%	87 आधार अंकों की कमी
12	सॉल्वेंसी अनुपात	2.13	2.35	
13	13 माह / 61 माह स्थायित्व अनुपात (पर्सिस्टेंसी) (प्रीमियम के आधार पर)	75.29% / 63.81%	74.69% / 61.03%	
14	13 माह / 61 माह स्थायित्व अनुपात (पर्सिस्टेंसी) (पॉलिसियों की संख्या के आधार पर)	63.36% / 51.50%	67.58% / 48.33%	
15	व्यक्तिगत व्यवसाय एपीई (वार्षिकीकृत प्रीमियम समतुल्य)	17,170	17,224	0.31%
16	समूह व्यवसाय एपीई (वार्षिकीकृत प्रीमियम समतुल्य)	11,864	13,472	13.55%
17	कुल एपीई (व्यक्तिगत + समूह)	29,034	30,696	5.72%
18	व्यक्तिगत व्यवसाय के एपीई का उत्पाद मिश्रण (%) (पार / नॉन-पार, लिंक्ड सहित)	63.69%/36.31%	65.98%/34.03%	
19	प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (AUM)	57,22,896	59,60,941	4.16%

**नोट : राउंडिंग ऑफ के कारण आंकड़ों का योग कुल से भिन्न हो सकता है।*

टिप्पणी : वित्तीय परिणामों से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए कृपया 30 सितंबर, 2026 को समाप्त तिमाही एवं छमाही के स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों तथा उनके साथ संलग्न टिप्पणियों का अवलोकन करें, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों तथा निगम की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

मुंबई, दिनांक : 05 नवंबर, 2026

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :
कार्यकारी निदेशक (निगमित सम्प्रेषण)
भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई।
ई-मेल : ed_cc@licindia.com

वेबसाइट पर विजिट करें : www.licindia.in

हमें विश्वास है कि इस प्रेस विज्ञप्ति में निहित जानकारी आपके पाठकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। यद्यपि हम इसके यथाशीघ्र प्रकाशन के लिए आपके आभारी होंगे, तथापि हम यह भी स्वीकार करते हैं कि इसके प्रकाशन का निर्णय पूर्णतः आपके विवेक पर निर्भर करता है।